उत्तरांचल शासन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुमाग संख्याः 1288 /XIX/2005 देहरादुनः दिनोंकः08अग्रस्त 2005

कार्यालय ज्ञाप

अधोहरताकरों की यह कहने का निर्देश हुआ है कि खादा एवं न ाज आा, 1 केमान के अन्तर्गत स्थित जाए में कियानिक हाने वाले कार्यों को निम्मातिखित खादा का नागरिक आपूर्ति जानान 1 व जनूनान 2 के मध्य आयंदित जाता है

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुमाग-1

- चात्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के (आपूर्ति/लेखा साकः) = राजपतित अधिकारियों का अधिकानः
- अपूर्ति शासा बलिट निरीधक/पूर्ति निरीधक, प्रधान शिविक, क्रमुलिविक/ज्येश्व शिविक, व्यूक्ते क्रमें कर्मकरी के अधिष्ठान एवं अधिकान संबंधित विविध मागले।
 - बाट तथा नाप (विशिक्त माप विद्वान विभाग) के समस्त अधिकार्ग / कर्मकरियों के अधिकान सन्दर्भी ार तथा
 - खाद्य आयुक्त कार्यालय के असजप्रजित कर्मचारियों से सम्बन्धी वर्षे।
 - 5 बाद्य किएए का एउट सम्बन्धी कार्य, जिसमें लेखाशीर्थक से उन्तरथी कार्य ।
 - खाद्य दिशाम क्या मज्जूद सम्बन्धी कार्य, विसाने लेखातीर्थक २४८३, ३४६६ तथा ३४७६ वर्ष स्थापनि एवं प्रतिवान तथा सर्वापन संबंधी कार्य ।
 - र क्रीय केविट लिमिट (तीवसीवएलाव स्पन्नी) कार्य) / निष्यवीकः अन्यती कर ग्रह्मासन्।
 - ह । यांचा की खरीपदारी विक्षी का निर्माण स्टारेज सबसी सामीता साव का समान्य
 - ९ एफएसी०आईए, पीरानीवएफए एस०डबन्द्रानीव / मीठडबन्द्रासीव विविध
 - मम्हलीय शमिति सम्बद्ध कार्य/वरिष्ठ प्रशानिका अधिकारिक के देखते.
 - मन्त्री / गामीण क्षेत्रा में संस्थानी सस्ता मल्ले की दूरण गालन जनका निरीक्षण तथा आपान हथा। जिल्लामानारेग / जिल पूर्वि अधिकारिया के अप्यक्षी के दिला ज्यापदेन एवं राशन कार्य ग्रामादे।
 - शहस सरकार को तक गरल की दुलारों के सक्य में खाद जारन तकते दिनोई का करते।
 - भारत सरकार से निट्टी तेल आबर्टन को प्राप्त कर जिला है। जहारी का वेस, डीज़र अन्य पेहोस करान्द ली मुनि
 - 14. मिद्दी के तेल का जिलों को कोटा निर्धारण, मिद्दी तेल के लाउसेल धानियों की अपीतं।
 - हर्ष की की वीचल तंत्र और लड्ट रीमल तेल उपयोग/निवादन ।
 - गाँउ वार्यांतम के निर्मेश्वन की आतमार्थ, विता निर्मार्थक केलेंग लेंगाविकारिया क्षेत्रीय वार्य निर्मार्थ को निर्मेशन आवार्य ताल आयुक्त, रहायक आयुक्त केलेंग ताल जानिकारी तथा तम विकासीय विराम अधिकारियों द्वार किये गये निर्मेशन अख्या से संबंधित मानक
 - ा? लाग राजा संभीते तथा सम्परीक्षा विषये एवं समरोक्ष आहेत.
 - 18. मा प्रेपरिषद की उपलगतियाँ से संगतित एवं उसके निमार्ग के विकल्पवर का कार्य।
 - 19. लॉक समा / राज्य तमा / विकास समा / परिषद संबंधी प्रस्त पर प्रतासन से संबंधीत रागस्य प्राच

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुनाग-2

- । विप्राम हिन्द-शास्त्र में समस्त सजानित /अच्छपनित्र । । । / वर्षणित्र का सेद्र जीव्यान
- 2 वस्त्रीय खाद्य निपत्रका की बैदका।
- है व्यवस्थान खरीद तका गेहू एवं उन्य रही खड़ान्त् / मीट उन उनका का जन्मरमन्द्र तथा तलावधी कि जा उन्न हिटेनेशन का कार्य
- समता वाद्यानों के एसटमेन्ट संबंधी कर्ण। (हेंडू/फाइट शट अनाज/बना दाने आदि) खाद्यानों का स्टाक रच-स्ताद तथा चलला सत्वापन ।

DE देरिय हुण्यादी एक्ट संबंधी कार्य। बान संध्या अन्य वीर्वी ३ । वीर अधिकार संबंधी आर्थ। nu पार्धाम जननकता सरक्षण/शिला तीरमी में अवना/पादरयां है ।नेयुक्त तथा सन्व अविनान सर्वा

गर्मानमाँ के मदनों का किराया स्वीकृति तथा उनसे सहनेता मुमन्दर ।

ावश्यात अन्तु जिल्ला/आयतित गेह् के ट्राविट लाउमन से सर्वत छाउँ वातरा न सन्ध्यक व्यत् THE IN

दंचावतः एव सामर्थं कं बच्चां कं निस्तारण संख्यी काय

र्गावा सानित स सम्बन्धित समस्त कार्य ।

प्रशानों के संबरण तथा एक्सपेट शन्दनी समस्य पान क्षेत्र का नाम का नाम है। उन्तर की अन्तर प्र

रकरी की राजधाग तथा वेक पीरदी या कार्य ।

प्राचानों की समस्त प्रकार की हानियां से सम्बन्धित क

रयम् वे त्या राष्ट्रपति को भंजी जाने वारी आख्याये

नमनाय प्रचारिता विदेश कार्य ।

किया संस प्रकारत से सम्बन्धित ऑकड रखने का कार्य। मूर्न अध्यानि धार गाँउ ना का निर्माण र

ार निर्देश के वे वरामर्श से स्त्रीक कोल तथा सायर जोल का रहतारी तक 🚐 एतन का नामकान

तोल और भएटा तथा तिलहनों के लाएतस्त सम्बन्धी आह

मन में स्वादित रहिन दस्तों के प्रवेतन सम्बन्धी कार्य है तस्त्र में रिन्सी कर दिन्स जिल्लामनश् ं के १९६४ सूचन गणने और जनकी सगोधा क्यां तथ्य राजस्य व विधित्त अवस्थान निर्माणस्य से सम्बन्धि हमस्त कार्य व सवनाहे व

सीरेन्ट जीनी खनासारी शक्कर एका गुढ़ का वितरण एक उसने सम्बन्धित निकाल बीनी आवटन /जापूर्नि

585) I (III) हेंग्ड कर्नुस इत्तर / नगक एवं वनकाति को निराका (द्या दिवस सन्दर्भ क्रा वनस्पत्र दीलसे लाईसेंस

जार्क कर मान्याच्या सं वैदको सम्बन्धित कार्य ।

अनुवार में टेन्सर अनुवार अधिकारियों को निर्देशित जिल्ला जाता है कि अपने अनुवार से लगानिक समार्ट का तांत्र सुनिशित्य ४०० । सारा अनुभागः । में श्री जय साल वार्मा अनुभाग अधिनात तथा अनुभागः २ व भी भगवा ज्ञीतिकती को तैमात किया जाला है ।

(ने उसी उथानी)

र्वे (१) / XIX / २००५ सद्दिनांक ।

'नागांसिकेन को बुन्नार्थ एवं आधारक आयंबाही हेतु की है

, साहे जनम प्रशासन उत्तरप्रदेश शास-

ा राज्य पा नागरिक आपूर्ति विशाम

ीय गोधन अनुभाग उत्तरायल शासन

ा साहित जारा एवं नागरिक आपूर्वि विभाग, संलाराबल चारान व

। अनुगा अधिक री एत्तरावल शामान

मधिर माठ मही जो, साहा सत्तरांसचत

प्राप्त एक प्राप्तिक सचिव लव परिसर देश देन / मार्ड २ हु। ।

SHIT 6.